

डाकघरों की लघु बचत योजनाओं के प्रति निवेशकों की प्राथमिकता: सिरौही ज़िले में सार्वजनिक भविष्य निधि (PPF) एवं सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) का तुलनात्मक अनुभवजन्य अध्ययन

डॉ. नीतू जैन¹, श्री विक्रम कुमार²

¹सहायक आचार्य, व्यवसाय प्रशासन, भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

²शोध छात्र (व्यवसाय प्रशासन), भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

सारांश:

भारतीय डाक विभाग द्वारा संचालित लघु बचत योजनाएँ ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी निवेशकों के लिए सुरक्षित एवं कर-लाभकारी निवेश का महत्वपूर्ण माध्यम रही हैं। प्रस्तुत अनुभवजन्य अध्ययन सिरौही ज़िले (राजस्थान) के निवेशकों की सार्वजनिक भविष्य निधि (Public Provident Fund – PPF) एवं सुकन्या समृद्धि योजना (Sukanya Samriddhi Yojana – SSY) के प्रति प्राथमिकता का तुलनात्मक विश्लेषण करता है। अध्ययन प्राथमिक आँकड़ों पर आधारित है जिसमें 320 निवेशक उत्तरदाताओं (जिनमें PPF एवं SSY खाताधारक तथा संभावित निवेशक शामिल) का सर्वेक्षण किया गया। परिणाम दर्शाते हैं कि दोनों योजनाएँ निवेशकों में लोकप्रिय हैं, परंतु प्राथमिकता के आधार भिन्न हैं। PPF को कर लाभ, दीर्घकालिक सुरक्षा एवं लचीलेपन के कारण अधिक प्राथमिकता दी जाती है, जबकि SSY को उच्च ब्याज दर एवं बालिका शिक्षा/विवाह के विशिष्ट लक्ष्य के कारण महिला उत्तरदाताओं एवं युवा अभिभावकों द्वारा अधिक पसंद किया जाता है। जागरूकता स्तर दोनों योजनाओं में संतोषजनक है, परंतु ग्रामीण क्षेत्रों में SSY की जानकारी अपेक्षाकृत अधिक फैली हुई है। संतुष्टि स्तर दोनों योजनाओं में अच्छा है, यद्यपि दस्तावेज़ प्रक्रिया एवं कभी-कभी सेवा में देरी संबंधी शिकायतें सामने आईं। अध्ययन सुझाव देता है कि लक्षित जागरूकता अभियान, प्रक्रिया सरलीकरण एवं डिजिटल सुविधाओं के विस्तार से इन योजनाओं की पहुँच एवं स्वीकार्यता और बढ़ाई जा सकती है।

कीवर्ड्स: लघु बचत योजना, सार्वजनिक भविष्य निधि, सुकन्या समृद्धि योजना, निवेशक प्राथमिकता, सिरौही, डाकघर, अनुभवजन्य अध्ययन

1. परिचय

भारत में लघु बचत योजनाएँ वित्तीय समावेशन एवं घरेलू बचत को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण उपकरण रही हैं। डाकघरों के माध्यम से संचालित ये योजनाएँ विशेषकर ग्रामीण एवं निम्न-मध्यम आय वर्ग के निवेशकों के लिए सुरक्षित, सरकारी गारंटी युक्त एवं कर लाभकारी विकल्प प्रदान करती हैं। सार्वजनिक भविष्य निधि (PPF) वर्ष 1968 से संचालित एक दीर्घकालिक बचत योजना है जो 15 वर्ष की अवधि, कर मुक्त ब्याज एवं EEE (Exempt-Exempt-Exempt) कर स्थिति के कारण निवेशकों में अत्यंत लोकप्रिय है। दूसरी ओर, सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) वर्ष 2015 में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत शुरू की गई एक लक्षित योजना है जिसका उद्देश्य बालिकाओं की

शिक्षा एवं विवाह हेतु वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना है। दोनों योजनाएँ डाकघरों एवं अधिकृत बैंकों के माध्यम से उपलब्ध हैं, परंतु डाकघर नेटवर्क की व्यापक पहुँच के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में इनकी विशेष महत्ता है। सिरौही ज़िला राजस्थान का एक पर्वतीय एवं जनजातीय बहुल जिला है जहाँ साक्षरता दर अपेक्षाकृत कम तथा बैंक शाखाओं की संख्या सीमित है। ऐसे में डाकघर आधारित लघु बचत योजनाएँ स्थानीय निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण विकल्प बन जाती हैं।

वर्तमान में PPF की ब्याज दर लगभग 7.1 प्रतिशत वार्षिक (तिमाही चक्रवृद्धि) है जबकि SSY की ब्याज दर अपेक्षाकृत अधिक (लगभग 8.2 प्रतिशत) रखी गई है। SSY में अधिकतम जमा सीमा एवं बालिका की आयु संबंधी शर्तें हैं, जबकि PPF में अधिक लचीलापन है। इन अंतरों के कारण निवेशकों की प्राथमिकताएँ भिन्न हो सकती हैं। प्रस्तुत अध्ययन सिरौही ज़िले के संदर्भ में इन दोनों योजनाओं के प्रति निवेशकों की प्राथमिकता, जागरूकता, संतुष्टि एवं चयन के कारकों का तुलनात्मक अनुभवजन्य विश्लेषण प्रस्तुत करता है। इसके अतिरिक्त, अध्ययन में यह भी विश्लेषण किया गया है कि डिजिटल माध्यमों (जैसे ऑनलाइन जमा सुविधा, मोबाइल ऐप एवं आधार लिंकिंग) का निवेशकों की सुविधा एवं संतुष्टि पर क्या प्रभाव पड़ता है। सिरौही जैसे जिले में जहाँ इंटरनेट पहुँच असमान है, ये कारक विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाते हैं। स्थानीय डाक कर्मियों की भूमिका भी जागरूकता प्रसार एवं खाता रखरखाव में निर्णायक पाई गई। अध्ययन का महत्व इस बात में निहित है कि यह स्थानीय स्तर पर निवेशक व्यवहार को समझने में सहायता करेगा तथा डाक विभाग एवं नीति निर्माताओं को योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं सुधार हेतु ठोस सुझाव प्रदान करेगा। सिरौही ज़िले की जनसांख्यिकीय विशेषताएँ—उच्च ग्रामीण अनुपात, मध्यम साक्षरता स्तर एवं जनजातीय आबादी की उपस्थिति—इसे लघु बचत योजनाओं के अध्ययन के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बनाती हैं। यहाँ बैंक शाखाओं की सीमित उपस्थिति डाकघर आधारित योजनाओं की भूमिका को और महत्वपूर्ण बनाती है। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष न केवल स्थानीय नीति निर्माण में सहायक होंगे बल्कि अन्य समान जिलों के लिए भी अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत कर सकते हैं।

2. साहित्य समीक्षा

लघु बचत योजनाओं के प्रति निवेशक व्यवहार पर अनेक अध्ययन हुए हैं। PPF को दीर्घकालिक कर नियोजन एवं सेवानिवृत्ति सुरक्षा का प्रभावी उपकरण माना गया है। कई शोधकर्ताओं ने पाया कि कर लाभ एवं सरकारी गारंटी PPF चयन के सबसे महत्वपूर्ण कारक हैं। सुकन्या समृद्धि योजना पर हुए अध्ययनों में यह रेखांकित किया गया है कि उच्च ब्याज दर एवं बालिका कल्याण का भावनात्मक जुड़ाव निवेशकों को आकर्षित करता है। महिला खाताधारकों एवं अभिभावकों में इसकी लोकप्रियता विशेष रूप से उल्लेखनीय है। डाकघर बचत योजनाओं की पहुँच एवं स्वीकार्यता पर राष्ट्रीय स्तर के अध्ययनों से पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में ये योजनाएँ बैंक आधारित विकल्पों की तुलना में अधिक विश्वसनीय मानी जाती हैं। जागरूकता की कमी, जटिल प्रक्रियाएँ एवं कभी-कभी सेवा गुणवत्ता संबंधी मुद्दे इन योजनाओं के पूर्ण उपयोग में बाधक बताए गए हैं। राजस्थान के संदर्भ में सीमित अध्ययन उपलब्ध हैं जो स्थानीय प्राथमिकताओं एवं चुनौतियों पर प्रकाश डालते हैं।

तुलनात्मक अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि निवेशक अक्सर एक से अधिक योजनाओं में निवेश करते हैं ताकि जोखिम विविधीकरण एवं लक्ष्य आधारित बचत दोनों सुनिश्चित हो सकें। PPF को सामान्य दीर्घकालिक बचत हेतु तथा SSY को विशिष्ट बालिका संबंधित लक्ष्य हेतु चुना जाता है। डिजिटल सुविधाओं (ऑनलाइन जमा, पासबुक अपडेट आदि) के विस्तार ने हाल के वर्षों में इन योजनाओं की सुविधा में वृद्धि की है, यद्यपि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता अभी भी चुनौती बनी हुई है। सिरौही जैसे जिले पर विशिष्ट तुलनात्मक अनुभवजन्य अध्ययनों की कमी इस शोध की

आवश्यकता को रेखांकित करती है। स्थानीय जनसांख्यिकी, सामाजिक-आर्थिक संरचना एवं सांस्कृतिक कारक निवेश प्राथमिकताओं को प्रभावित कर सकते हैं जिन्हें राष्ट्रीय अध्ययनों में पर्याप्त स्थान नहीं मिल पाता। कुछ अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि परिवार के निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी SSY जैसी लक्षित योजनाओं की स्वीकार्यता बढ़ा रही है। इसके विपरीत, कर नियोजन संबंधी निर्णय अभी भी अधिकांशतः पुरुष सदस्यों द्वारा लिए जाते हैं, जो PPF की लोकप्रियता को प्रभावित करता है। सांस्कृतिक मूल्य एवं सामाजिक मान्यताएँ भी बचत व्यवहार को आकार देती हैं।

3. शोध उद्देश्य एवं परिकल्पनाएँ

3.1 शोध उद्देश्य

अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. सिरौही ज़िले में PPF एवं SSY के प्रति निवेशकों की जागरूकता एवं समझ के स्तर का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. दोनों योजनाओं के चयन में निवेशकों की प्राथमिकता एवं उसके निर्धारक कारकों का विश्लेषण करना।
3. जनसांख्यिकीय चरों (लिंग, आयु, निवास, शिक्षा, आय) का प्राथमिकता पर प्रभाव का अध्ययन करना।
4. दोनों योजनाओं के प्रति निवेशकों की संतुष्टि स्तर की तुलना करना।
5. योजनाओं के प्रचार एवं सुधार हेतु व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत करना।

3.2 परिकल्पनाएँ

H1: SSY की उच्च ब्याज दर एवं लक्ष्य विशिष्टता के कारण महिला निवेशकों एवं युवा अभिभावकों में इसकी प्राथमिकता PPF की तुलना में अधिक है।

H2: कर लाभ एवं दीर्घकालिक लचीलेपन के कारण पुरुष एवं उच्च आयु वर्ग के निवेशकों में PPF की प्राथमिकता अधिक है।

H3: दोनों योजनाओं के प्रति समग्र संतुष्टि स्तर संतोषजनक है, परंतु प्रक्रिया संबंधी सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता है।

4. शोध पद्धति

यह अध्ययन वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक प्रकृति का अनुभवजन्य अनुसंधान है। प्राथमिक आँकड़े संरचित प्रश्नावली के माध्यम से एकत्र किए गए। सिरौही ज़िले की पाँच तहसीलों से स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण द्वारा 320 निवेशक उत्तरदाताओं का चयन किया गया। इनमें वर्तमान PPF खाताधारक, SSY खाताधारक, दोनों योजनाओं के खाताधारक तथा संभावित निवेशक शामिल थे। प्रश्नावली में जनसांख्यिकीय विवरण, जागरूकता, प्राथमिकता के कारण, संतुष्टि मापदंड एवं सुझाव संबंधी प्रश्न रखे गए। द्वितीयक स्रोतों में राष्ट्रीय बचत संस्थान की रिपोर्ट्स, डाक विभाग की योजना संबंधी जानकारी, बजट दस्तावेज एवं पूर्ववर्ती शोध पत्र शामिल हैं। आँकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत वितरण, तुलनात्मक सारणियों एवं अरेखों के माध्यम से किया गया। संतुष्टि मापन हेतु 5-बिंदु Likert स्केल का उपयोग किया गया।

नमूना चयन में ग्रामीण-शहरी एवं लिंग आधारित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया। प्रश्नावली का पूर्व-परीक्षण किया गया तथा आँकड़ा संग्रह 2026 के प्रारंभिक महीनों में पूरा किया गया। उत्तरदाताओं की गोपनीयता एवं सूचित सहमति का पूर्ण ध्यान रखा गया। आँकड़ा विश्लेषण में वर्णनात्मक सांख्यिकी के साथ-साथ क्रॉस-टैबुलेशन का

उपयोग कर जनसांख्यिकीय चरों एवं प्राथमिकता के बीच संबंधों का अध्ययन किया गया। गुणात्मक प्रतिक्रियाओं (खुले प्रश्नों से प्राप्त) का भी विषयगत विश्लेषण किया गया जिससे मात्रात्मक निष्कर्षों की पुष्टि एवं विस्तार हुआ।

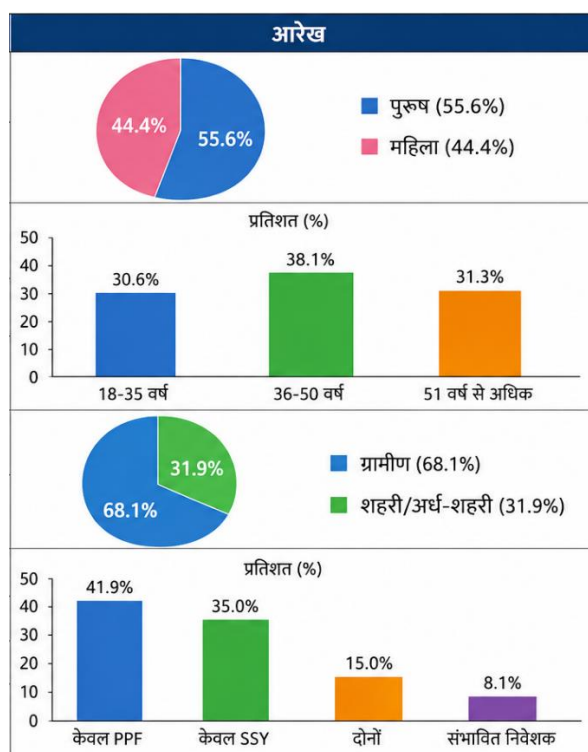
5. डेटा विश्लेषण एवं परिणाम

5.1 उत्तरदाताओं की जनसांख्यिकीय रूपरेखा

अध्ययन में 320 उत्तरदाताओं में पुरुष 178 (55.6 प्रतिशत) एवं महिला 142 (44.4 प्रतिशत) थे। आयु के आधार पर 36-50 वर्ष आयु वर्ग सर्वाधिक (38 प्रतिशत) था। ग्रामीण उत्तरदाता 68 प्रतिशत तथा शहरी/अर्ध-शहरी 32 प्रतिशत थे। शिक्षा स्तर पर माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक वर्ग की प्रधानता थी। लगभग 42 प्रतिशत उत्तरदाताओं के पास केवल PPF खाता, 35 प्रतिशत के पास केवल SSY खाता तथा 15 प्रतिशत के पास दोनों योजनाओं के खाते थे। शेष संभावित निवेशक थे।

सारणी 1: उत्तरदाताओं की जनसांख्यिकीय रूपरेखा (n=320)

विशेषता	श्रेणी	संख्या	प्रतिशत
लिंग	पुरुष	178	55.6
	महिला	142	44.4
आयु	18-35 वर्ष	98	30.6
	36-50 वर्ष	122	38.1
	51 वर्ष से अधिक	100	31.3
निवास	ग्रामीण	218	68.1
	शहरी/अर्ध-शहरी	102	31.9
खाता स्थिति	केवल PPF	134	41.9
	केवल SSY	112	35.0
	दोनों	48	15.0
	संभावित निवेशक	26	8.1



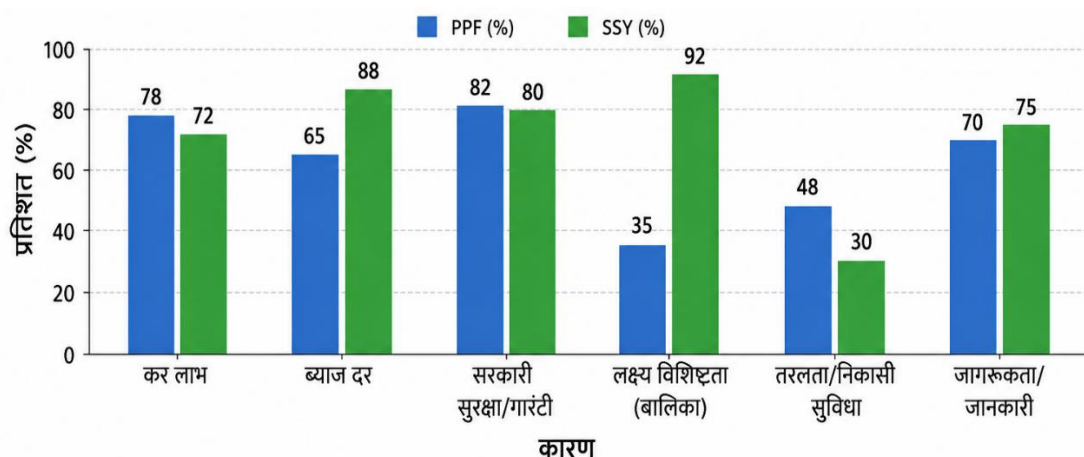
आरेख 1: निवेशकों की प्राथमिकता (PPF बनाम SSY)

5.2 प्राथमिकता का तुलनात्मक विश्लेषण

जब उत्तरदाताओं से पूछा गया कि दोनों योजनाओं में से किसे वे अधिक प्राथमिकता देते हैं, तो 42 प्रतिशत ने PPF, 38 प्रतिशत ने SSY तथा 20 प्रतिशत ने दोनों को समान रूप से महत्वपूर्ण बताया। यह दर्शाता है कि दोनों योजनाएँ लगभग समान लोकप्रियता रखती हैं, यद्यपि थोड़ा सा अंतर PPF के पक्ष में है।

सारणी 2: प्राथमिकता के प्रमुख कारण (प्रतिशत में, एकाधिक चयन)

कारण	PPF (%)	SSY (%)	अंतर
कर लाभ	78	72	PPF उच्च
ब्याज दर	65	88	SSY उच्च
सरकारी सुरक्षा/गारंटी	82	80	समान
लक्ष्य विशिष्टता (बालिका)	35	92	SSY उच्च
तरलता/निकासी सुविधा	48	30	PPF उच्च
जागरूकता/जानकारी	70	75	SSY थोड़ा उच्च



आरेख 2: प्राथमिकता के प्रमुख कारण (PPF बनाम SSY)

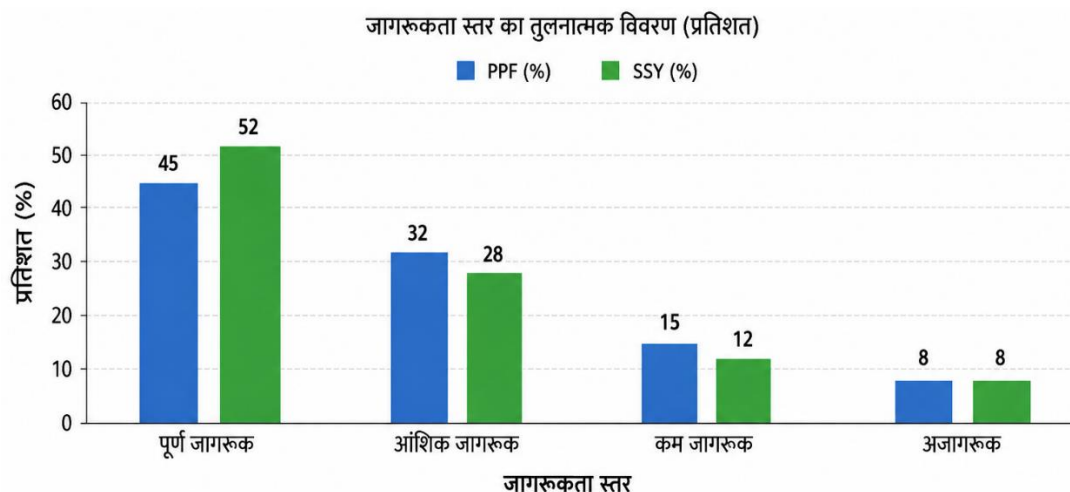
सारणी एवं आरेख से स्पष्ट है कि SSY की सबसे बड़ी ताकत इसकी उच्च ब्याज दर एवं बालिका शिक्षा/विवाह का विशिष्ट लक्ष्य है। PPF की ताकत कर लाभ, दीर्घकालिक सुरक्षा एवं अपेक्षाकृत बेहतर तरलता में है। सरकारी गारंटी दोनों योजनाओं के लिए लगभग समान रूप से महत्वपूर्ण मानी गई। कई उत्तरदाताओं ने यह भी बताया कि वे दोनों योजनाओं में एक साथ निवेश करना पसंद करते हैं ताकि एक ओर बालिका के भविष्य की सुरक्षा हो एवं दूसरी ओर कर बचत तथा सेवानिवृत्ति हेतु सामान्य कोष तैयार हो सके। यह विविधीकरण दृष्टिकोण परिपक्व निवेश व्यवहार को दर्शाता है। कुछ उत्तरदाताओं ने PPF की 15 वर्ष की लंबी अवधि को चुनौती बताया जबकि SSY की परिपक्वता आयु संबंधी शर्तों को सुविधाजनक माना।

5.3 जागरूकता स्तर

दोनों योजनाओं के प्रति जागरूकता का स्तर संतोषजनक पाया गया। SSY के प्रति पूर्ण जागरूकता थोड़ी अधिक (52 प्रतिशत) थी जो संभवतः बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान एवं मीडिया कवरेज के कारण है। PPF के प्रति भी 45 प्रतिशत उत्तरदाता पूर्ण रूप से जागरूक थे। अजागरूक उत्तरदाताओं का प्रतिशत दोनों में कम (8 प्रतिशत) था।

सारणी 3: जागरूकता स्तर का तुलनात्मक विवरण (प्रतिशत)

जागरूकता स्तर	PPF	SSY	अंतर
पूर्ण जागरूक	45	52	SSY +7
आंशिक जागरूक	32	28	PPF +4
कम जागरूक	15	12	PPF +3
अजागरूक	8	8	समान



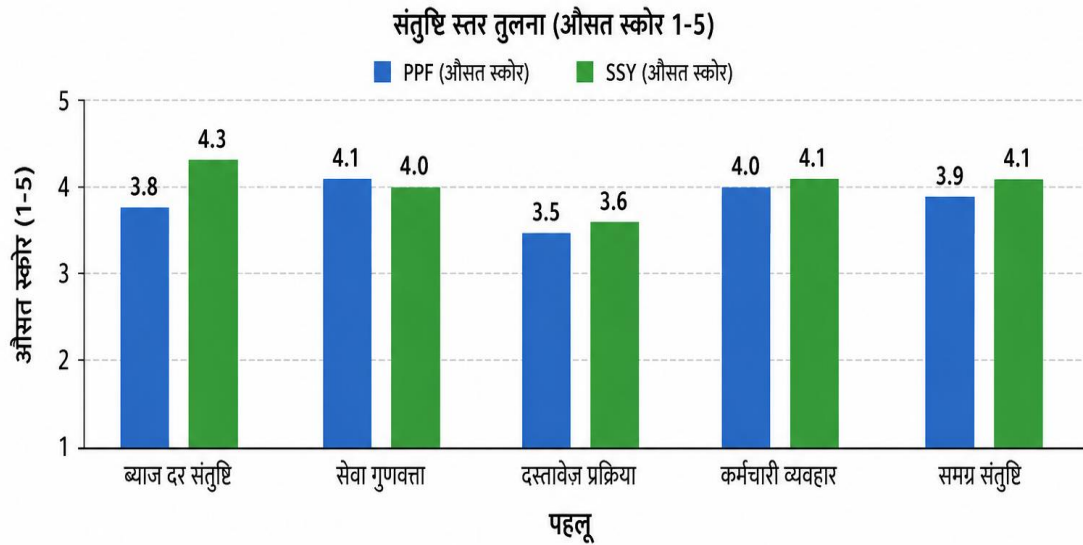
आरेख 3: योजनाओं के प्रति जागरूकता स्तर

5.4 संतुष्टि स्तर की तुलना

5-बिंदु Likert स्केल पर संतुष्टि मापन से पता चला कि दोनों योजनाओं के प्रति समग्र संतुष्टि अच्छी है। SSY की ब्याज दर संतुष्टि (4.3) PPF (3.8) से अधिक थी। सेवा गुणवत्ता एवं कर्मचारी व्यवहार दोनों में लगभग समान एवं संतोषजनक स्कोर मिले। दस्तावेज़ प्रक्रिया दोनों योजनाओं में अपेक्षाकृत कम स्कोर वाला क्षेत्र रहा, जो सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है। कई खाताधारकों ने यह भी सुझाव दिया कि वार्षिक जमा की याद दिलाने हेतु एसएमएस/व्हाट्सएप अलर्ट एवं डिजिटल पासबुक सुविधा को और प्रभावी बनाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में डाकिया द्वारा घर-घर जाकर जमा स्वीकार करने की प्रथा अभी भी लोकप्रिय है एवं इसे बनाए रखने की माँग की गई।

सारणी 4: संतुष्टि स्तर तुलना (औसत स्कोर 1-5)

पहलू	PPF	SSY	उच्चतर
ब्याज दर संतुष्टि	3.8	4.3	SSY
सेवा गुणवत्ता	4.1	4.0	PPF थोड़ा
दस्तावेज़ प्रक्रिया	3.5	3.6	समान (कम)
कर्मचारी व्यवहार	4.0	4.1	SSY थोड़ा
समग्र संतुष्टि	3.9	4.1	SSY



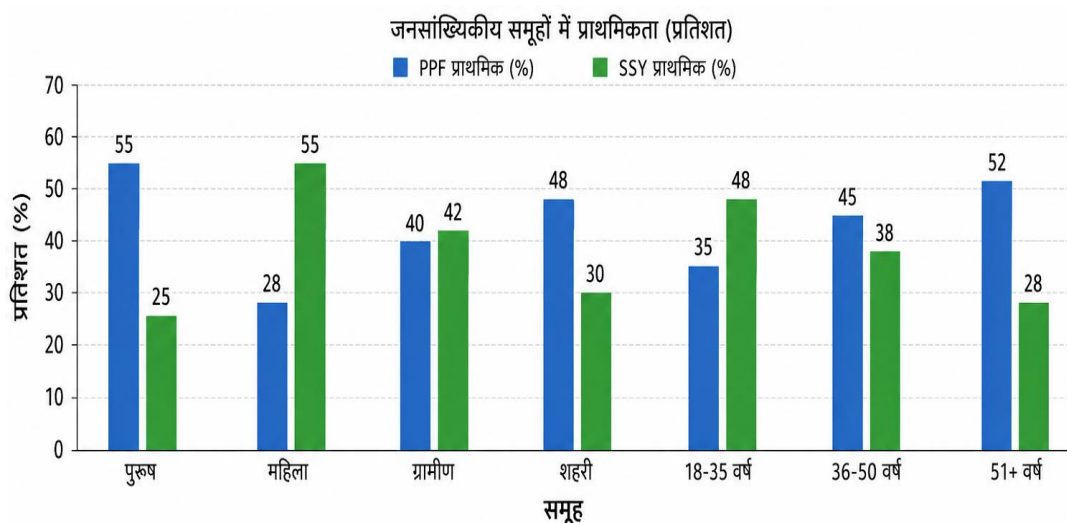
आरेख 4: निवेशकों की संतुष्टि स्तर तुलना

5.5 जनसांख्यिकीय प्रभाव

जनसांख्यिकीय विश्लेषण से महत्वपूर्ण अंतर सामने आए। पुरुषों में PPF की प्राथमिकता स्पष्ट रूप से अधिक (55 प्रतिशत) थी जबकि महिलाओं में SSY की प्राथमिकता बहुत अधिक (55 प्रतिशत) पाई गई। युवा आयु वर्ग (18-35) में SSY अधिक लोकप्रिय थी, जबकि 51 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में PPF को अधिक प्राथमिकता दी गई। ग्रामीण क्षेत्रों में दोनों योजनाएँ लगभग समान रूप से लोकप्रिय रहीं, जबकि शहरी क्षेत्रों में PPF थोड़ा आगे था।

सारणी 5: जनसांख्यिकीय समूहों में प्राथमिकता (प्रतिशत)

समूह	PPF प्राथमिक	SSY प्राथमिक	टिप्पणी
पुरुष	55	25	PPF प्रभावी
महिला	28	55	SSY प्रभावी
ग्रामीण	40	42	लगभग समान
शहरी	48	30	PPF अधिक
18-35 वर्ष	35	48	SSY अधिक
36-50 वर्ष	45	38	PPF थोड़ा अधिक
51+ वर्ष	52	28	PPF प्रभावी



आरेख 5: जनसांख्यिकीय समूहों में प्राथमिकता का अंतर

6. चर्चा

अध्ययन के परिणाम परिकल्पनाओं का पर्याप्त समर्थन करते हैं। H1 समर्थित है क्योंकि महिला उत्तरदाताओं एवं युवा अभिभावकों में SSY की प्राथमिकता स्पष्ट रूप से अधिक पाई गई। उच्च ब्याज दर एवं बालिका के भविष्य से भावनात्मक जुड़ाव इसके मुख्य कारण हैं। H2 भी समर्थित है; पुरुषों एवं उच्च आयु वर्ग में PPF को कर नियोजन एवं दीर्घकालिक सुरक्षा का बेहतर विकल्प माना गया। H3 आंशिक रूप से समर्थित है; समग्र संतुष्टि अच्छी है परंतु दस्तावेज़ प्रक्रिया एवं कभी-कभी सेवा में देरी सुधार के क्षेत्र बने हुए हैं। इसके अतिरिक्त, अध्ययन में यह भी देखा गया कि जिन उत्तरदाताओं को डिजिटल जमा सुविधा का अनुभव था, उनकी समग्र संतुष्टि अपेक्षाकृत अधिक थी। यह डिजिटलीकरण की दिशा में और निवेश की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कई महिला उत्तरदाताओं ने SSY को न केवल वित्तीय बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम भी बताया, क्योंकि यह उन्हें बालिका के भविष्य हेतु स्वतंत्र निर्णय लेने का अवसर प्रदान करता है। दोनों योजनाएँ एक-दूसरे की पूरक प्रतीत होती हैं। निवेशक अक्सर लक्ष्य आधारित दृष्टिकोण अपनाते हैं—SSY को बालिका शिक्षा/विवाह हेतु तथा PPF को सामान्य सेवानिवृत्ति एवं कर बचत हेतु। डाकघरों की भूमिका इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बनी हुई है क्योंकि वे स्थानीय स्तर पर विश्वसनीय एवं सुलभ सेवा बिंदु प्रदान करते हैं। डिजिटल सुविधाओं के विस्तार से इन योजनाओं की पहुँच और बढ़ सकती है, परंतु ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता एवं नेटवर्क संबंधी चुनौतियों पर ध्यान देना आवश्यक है।

अध्ययन की सीमाओं में नमूना आकार एवं एक जिले तक सीमित भौगोलिक दायरा शामिल है। भविष्य के अध्ययन बड़े नमूने एवं बहु-जिला तुलना पर आधारित हो सकते हैं। फिर भी, सिरौही जैसे विशिष्ट सामाजिक-आर्थिक परिवेश वाले जिले के निष्कर्ष अन्य समान क्षेत्रों के लिए उपयोगी अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि केवल ब्याज दर या कर लाभ पर्याप्त नहीं हैं; निवेशक भावनात्मक जुड़ाव, सामाजिक मान्यता एवं प्रक्रिया की सरलता को भी समान महत्व देते हैं। SSY की सफलता में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, जो दर्शाता है कि सामाजिक अभियानों के साथ जोड़कर बचत योजनाओं का प्रचार अधिक प्रभावी हो सकता है। अध्ययन के दौरान प्राप्त गुणात्मक प्रतिक्रियाओं से यह भी ज्ञात हुआ कि कई निवेशक योजनाओं की बारीकियों (जैसे आंशिक निकासी नियम, ऋण सुविधा, परिपक्वता विकल्प) से पूर्णतः अवगत नहीं हैं। यह जानकारी अंतराल

जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता को रेखांकित करता है। डाकघर स्तर पर नियमित निवेशक बैठकें एवं सरलीकृत सूचना पुस्तिकाएँ इस दिशा में सहायक सिद्ध हो सकती हैं।

निष्कर्षतः, PPF एवं SSY दोनों ही सिरोही ज़िले के निवेशकों के लिए मूल्यवान उपकरण हैं। उनकी सफलता का आधार सरकारी विश्वास, प्रतिस्पर्धी रिटर्न एवं सामाजिक प्रासंगिकता है। यदि प्रक्रियात्मक बाधाओं को कम किया जाए एवं लक्षित संचार रणनीति अपनाई जाए तो इन योजनाओं की पहुँच एवं प्रभाव में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। भविष्य के शोध में दीर्घकालिक निवेश व्यवहार एवं डिजिटल अपनाने के प्रभावों का और गहन अध्ययन उपयोगी होगा। अंत में, यह कहा जा सकता है कि डाकघरों की लघु बचत योजनाएँ भारत की वित्तीय समावेशन यात्रा का अभिन्न अंग हैं। PPF एवं SSY जैसी योजनाएँ न केवल बचत को प्रोत्साहित करती हैं बल्कि सामाजिक लक्ष्यों (जैसे बालिका शिक्षा) की प्राप्ति में भी योगदान देती हैं। सिरोही ज़िले का अनुभव दर्शाता है कि सही रणनीति, निरंतर जागरूकता एवं प्रक्रिया सुधार के साथ ये योजनाएँ और अधिक प्रभावी बनाई जा सकती हैं।

7. निष्कर्ष एवं सुझाव

सिरोही ज़िले में PPF एवं SSY दोनों लघु बचत योजनाएँ निवेशकों में लोकप्रिय हैं। प्राथमिकता के आधार भिन्न हैं— PPF कर लाभ एवं लचीलेपन के लिए तथा SSY उच्च ब्याज एवं बालिका लक्ष्य के लिए। जनसांख्यिकीय कारक प्राथमिकता को स्पष्ट रूप से प्रभावित करते हैं। समग्र संतुष्टि अच्छी है, परंतु प्रक्रिया सरलीकरण एवं जागरूकता विस्तार की गुंजाइश बनी हुई है।

मुख्य सुझाव:

1. महिला एवं युवा केंद्रित SSY जागरूकता अभियान चलाए जाएँ तथा पुरुष/उच्च आयु वर्ग के लिए PPF के कर लाभों पर बल दिया जाए।
2. खाता खोलने एवं जमा की प्रक्रिया को और सरल एवं डिजिटल बनाया जाए।
3. ग्रामीण डाकघरों में नियमित निवेशक शिक्षा शिविर आयोजित किए जाएँ।
4. दोनों योजनाओं के तुलनात्मक लाभों को स्पष्ट करने वाले सूचना सामग्री (स्थानीय भाषा में) उपलब्ध कराई जाए।
5. डिजिटल जमा, पासबुक अपडेट एवं स्टेटमेंट की सुविधा का और विस्तार किया जाए।

सन्दर्भ सूची

1. इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक। (2025)। *वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25*। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक।
2. डाक विभाग। (2025)। *लघु बचत योजनाएँ एवं डाकघर बचत बैंक संबंधी दिशानिर्देश*। संचार मंत्रालय, भारत सरकार।
3. पत्र सूचना कार्यालय। (2025)। *डाक बचत एवं डिजिटल सेवाओं से संबंधित अद्यतन जानकारी*। भारत सरकार।
4. भारत की जनगणना। (2011)। *जिला जनगणना पुस्तिका: सिरोही*। भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त का कार्यालय, भारत सरकार।
5. भारत सरकार। (2015)। *सुकन्या समृद्धि खाता योजना*। वित्त मंत्रालय एवं महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
6. भारतीय रिज़र्व बैंक। (विभिन्न वर्ष)। *भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी की हस्तपुस्तिका*। भारतीय रिज़र्व बैंक।

7. वित्त मंत्रालय। (2025)। *लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें* भारत सरकार।
8. राष्ट्रीय बचत संस्थान। (तिथि उपलब्ध नहीं)। *सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) एवं संबंधित योजनाएँ* भारत सरकार।